Dainik Bhaskar (Indore), 16th September 2016, City Bhaskar, Page - 01

आईआईटी स्टूडेंट्स में साहित्यिक विकास है मैग्जीन का मकसद

आईआईटी में 'एक शाम हिंदी के नाम' कवि सम्मेलन और मासिक पत्रिका श्रृंखला सृजन का विमोचन

MAGAZINE RELEASE

सिटी रिपोर्टर • हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सृजन-हिंदी साहित्य समिति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर द्वारा 'एक शाम हिंदी के नाम' कवि सम्मलेन हुआ। इस दौरान पहली हिंदी मासिक पत्रिका 'श्रृंखला-सृजन की' का विमोचन किया गया। इसमें संस्थान के सभी विभागों से भेजी गई रचनाएं शामिल की गईं। इस पत्रिका की डिजिटल प्रति देश के दिग्गज साहित्यकारों को भेजी गई थी और सभी ने अपने शुभकामना संदेश भेज कर इस पत्रिका को बेहद सराहा।

साहित्यकारों ने छपी रचनाओं को स्तरीय बताया

देश के कवि सम्मेलनों की पहचान वरिष्ठ कवि बनज कुमार बनज, समाजसेवी-कहानीकार वागीश्वरी पुरस्कार से सम्मानित संदीप नाईक, श्रृंगार के गीतों के कवि सम्मेलनों के बड़े हस्ताक्षर विष्णु सक्सेना ने भी इस प्रयास को न केवल सराहा अपितु रचनाओं को भी स्तरीय बताया। पत्रिका के संपादक अवधेश कुमार शर्मा के अनुसार ये पत्रिका हिंदी सशक्तिकरण की दिशा में एक नया कदम है। इस पत्रिका का उद्देश्य छात्रों में हिन्दी भाषा में साहित्यिक विकास करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप नाईक, बहादुर पटेल और आशुतोष दुबे थे।

छात्रों ने सुनाई कविताएं

आई.आई.टी. के सिमरौल स्थापित कैंपस में कई जाने माने कवियों ने शिरकत की और संस्थान के कई प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने भी अपनी रचनायें प्रस्तुत कीं। संदीप नाइक ने कहा कि आप सभी युवा लेखकों से कहा कि ऐस ही लिखते रहें, यही सबसे बड़ी पूंजी है।' बहादुर पटेल ने कहा कि हिंदी को लेकर आई.आई.टी. में ऐसा जज्बा देखकर वाकई बहुत अच्छा लगा। अनुभवों को इस प्रकार किसी गज़ल या कविता के रूप में प्रस्तुत करना रचना करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है।' आशुतोष दुबे ने कहा कि 'आई.आई.टी. जैसे संस्थान में हिंदी साहित्य समिति का निर्माण मात्र ही अति मनमोहक है, पत्रिका में छपी रचनाएं ही नहीं अपितु इसका कलेवर भी सुंदर जान पड़ता है। छात्र गौरव पांडे की कविता 'कुछ उजाले भी रौशनी देते है' को प्रथम और मनीष छावरे की कविता 'करोड़ों के घोटाले करके यहां लोग डकार भी नहीं देते, और कुछ लोग,एक रोटी से,भूख को हरा देते हैं' को दूसरा पुरुस्कार दिया गया। संचालन अवधेश कुमार शर्मा ने किया।

कुरीतियों और कुप्रथाओं के खिलाफ होंगी इसकी सामग्री : नीरज

पदम् भूषण गोपालदास नीरज ने इक्यानवें वर्ष की उम्र में भी अपनी शुभकामनाए इस पत्रिका के लिए भेजी हैं। उन्होंने लिखा कि 'मुझे ये जानकार बहुत प्रसन्नता हुई कि आप इस पत्रिका का प्रकाशन कर रहें हैं। ये पत्रिका स्तरीय होगी और साहित्य की सेवा में समर्पित रहेगी और आशा करता हूं कि इसमें जो प्रकाशित सामग्री होगी वो समाज में व्याप्त बाह्य आडम्बर, कुरीतियों और कुप्रथाओं के खिलाफ होगी। ये पत्रिका दीर्घजीवी होगी, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं।'